भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-121

उत्तर देने की तारीख-03/02/2025

आंध्र प्रदेश में जेएनवी

†121. **श्री बी. के. पार्थसारथी:**

श्री डग्गुमल्ला प्रसादा राव:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तिथि तक आंध्र प्रदेश में स्वीकृत और स्थापित जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) की जिलेवार और वर्षवार कुल संख्या कितनी है;

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में जेएनवी की स्थापना के लिए स्वीकृत और जारी की गई निधियों का वर्षवार और जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ग) आंध्र प्रदेश में जिलेवार निर्माणाधीन जेएनवी की संख्या कितनी है और उनमें शिक्षण कार्य शुरू करने के लिए सरकार द्वारा क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(घ) आंध्र प्रदेश में ऐसे जिलों की संख्या कितनी है जिनमें कोई जेएनवी नहीं है; और

(ङ) क्या सरकार के पास आंध्र प्रदेश में नए जेएनवी स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग) नवोदय विद्यालय समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब तक आंध्र प्रदेश राज्य में कुल 15 नवोदय विद्यालय (नवि) संस्वीकृत किए गए हैं, जो अपनी स्थायी विद्यालय भवन से कार्यात्मक हैं। जिला-वार और वर्ष-वार विवरण **अनुलग्नक** के रूप में संलग्न हैं।

नवोदय विद्यालय समिति (नविस) को प्रत्येक वर्ष तीन प्रमुख लेखा शीर्षों अर्थात् वेतन**,** सामान्य और नवोदय विद्यालय को खोलने और संचालन हेतु पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के तहत अनुदान के रूप में बजटीय सहायता प्रदान की जाती है। नविस को

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/जिला-वार निधियां आबंटित नहीं की जाती है। विगत पांच वर्षों के दौरान नविस को जारी की गई निधियाँ निम्नानुसार हैं:

(करोड़ रुपये में)

वित्तीय वर्ष	जारी की गई निधियां
2019-20	3387.60
2020-21	3480.00
2021-22	3740.00
2022-23	4920.30
2023-24	5470.00

(घ) और (ङ) नवोदय विद्यालय योजना में देश के प्रत्येक जिले में एक नवोदय विद्यालय खोलने की परिकल्पना की गई है। नवंबर 2016 में 62 नए नवोदय विद्यालयों की संस्वीकृति के साथ, इस योजना के अंतर्गत 100% शहरी आबादी वाले 6 जिलों के अतिरिक्त इस योजना को स्वीकार करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सभी 638 जिले (दिनांक 31 मई, 2014 तक) शामिल किए गए हैं। नवोदय विद्यालय योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश के सभी जिले (दिनांक 31.05.2014 तक सृजित) शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने हाल ही में 28 नव सृजित/विभाजित जिलों में नए नवोदय विद्यालयों को स्वीकृति प्रदान की है।

नए नवोदय विद्यालय खोलना एक सतत प्रक्रिया है जो संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की इच्छा पर निर्भर करती है कि वह स्थायी भवन के निर्माण के लिए आवश्यक उपयुक्त भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराए तथा स्थायी भवन के निर्माण तक विद्यालय के संचालन हेतु किराया मुक्त, आवश्यक अस्थायी भवन, उपलब्ध कराए। नए नवोदय विद्यालयों की स्वीकृति और खोलना मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निर्भर करता है।

*****

अनुलग्नक

माननीय संसद सदस्यों श्री बी. के. पार्थसारथी और श्री डग्गुमल्ला प्रसादा राव द्वारा 'आंध्र प्रदेश में जेएनवी' के संबंध में दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 121 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

आंध्र प्रदेश राज्य में संस्वीकृत नवोदय विद्यालयों का वर्षवार विवरण

क्र. सं.	नवोदय विद्यालय (जिला)	स्वीकृति का वर्ष	भवन की स्थिति
1	श्री सत्य साईं *(पुराना अनंतपुर)*	1987-88	स्थायी भवन
2	अन्नामय्या ** *(पुराना चित्तूर)*	1986-87	
3	काकीनाडा (पुराना पूर्वी गोदावरी-I)*	1987-88	
4	अल्लूरीसीताराम राजू *(पुराना पूर्वी गोदावरी – II) (एसटी संकेन्द्रित)* *	2009-10	
5	पालनाडु *(पुराना गुंटूर)*	1987-88	
6	अन्नामय्या ** *(पुराना वाईएसआर कडपा)*	1987-88	
7	कृष्णा	1989-90	
8	कुरनूल	1987-88	
9	नेल्लोर	1986-87	
10	प्रकाशम - I	1987-88	
11	प्रकाशम – II (एससी *संकेन्द्रित*)	2009-10	
12	श्रीकाकुलम	1987-88	
13	विशाखापत्तनम	1987-88	
14	विजयनगरम	1988-89	
15	एलुरु *(पुराना पश्चिम गोदावरी)*	1988-89	

* पूर्ववर्ती पूर्वी गोदावरी जिले में 02 नवोदय विद्यालय, एक सामान्य योजना के अनुसार और एक अतिरिक्त दूसरा नवोदय विद्यालय एसटी सकेंद्रित जिले के रूप में थे। नए जिलों के सृजन के पश्चात, सामान्य योजना के तहत पहले नवोदय विद्यालय की सीमाएं नए जिले अर्थात काकीनाडा में आती हैं। पूर्वी गोदावरी के एसटी संकेन्द्रित जिले हेतु संस्वीकृत दूसरा नवोदय विद्यालय नव सृजित जिले अल्लूरी सीतारामाराजू में आता है।

** अन्नामय्या जिले को पूर्ववर्ती वाईएसआर (कडप्पा) और चित्तूर जिलों से सृजित किया गया है। इन दोनों जिलों के मौजूदा नवोदय विद्यालय दोनों ही नव सृजित अन्नामय्या जिले की सीमा में आते हैं।

*****